सीएम योगी के वृत्त में बाराबंकी बनेगा औद्योगिक हब

बाराबंकी में 9000 करोड़ के लक्ष्य पर हो रहा कार्य, 2027 से पूर्व 50 हजार लोगों को रोजगार देने की योजना

नरेन्द्र मिश्र • जागरण

बाराबंकी: योगी सरकार की पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी राजधानी लखनऊ के अति समीप बाराबंकी के लिए रोजगार और उद्यमिता के लिहाज से बहुत अहम है। यहां वर्ष 2026 में 9000 करोड़ की औद्योगिक परियोजनाओं की आधारशिला रखी जानी है। अगर यह कहा जाए कि वर्ष 2027 में बाराबंकी यूपी के औद्योगिक हब के तौर पर विकसित होता दिखेगा तो इसमें अतिश्योक्ति नहीं होगी।

यहां देश की विभिन्न नामचीन उत्पादों की इकाइयों को लाने की योजना नए सोपान तय करेगी। आने वाले वर्ष में तय लक्ष्य के अनुसार इकाइयों की अवस्थापना और उत्पादन की जिम्मेदारी इंवेस्ट इंडिया और एमएसएमई को दी गई है। केंद्र सरकार से मिले लक्ष्य के दायरे में सर्वाधिक लघु एवं मध्यम के साथ ही बड़ी इकाइयों के लिए आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। यहां 8410 करोड़ रुपये से 151 कंपनियों ने निवेश के लिए अपने आवेदन प्रस्तुत कर दिए हैं।

विभागों को जिम्मेदारी: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी औद्योगिक विकास के लिए स्वयं मानीटरिंग करते हैं। सभी विभागों को उद्यमियों के अनुकूल व्यवस्था देने के लिए सजगता के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिले में निवेश के लिए इच्छा जताने वाले उद्यमियों के सहयोग के लिए विभागों के जिम्मेदारों से नियमित प्रगति की चर्चा करते हैं। औद्योगिक इकाइयों की अवस्थापना के लिए 29 विभागों को जिम्मेदारी दी है। उद्यमियों को समुचित और समय पर सभी जानकारियों को उपलब्ध करवाने में कोई कोताही न करने का निर्देश दिए हैं। यही वजह है कि निवेश के लिए आवेदन करने वाली विभिन्न कंपनियां भी जल्द ही अपनी इकाइयों की स्थापना को तैयार हैं। डीएम का कहना है कि आने वाले वर्ष में औद्योगिक वातावरण और बेहतर होगा, साथ ही इकाइयां उत्पादन में आएंगी।

डीएम शशांक त्रिपाठी

कुर्सी में इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित पीवीसी पैनल फैक्ट्री व कुर्सी में इंडस्ट्रीयल एरिया स्थित पीवीसी पैनल फैक्ट्री • जागरण

210 से अधिक फूड प्रोसेसिंग इकाइयां लगेंगी

खाद्य प्रसंस्करण की कंपनियां यहां ज्यादा इच्छुक हो रहीं हैं तो कुछ की नींव डाली जाने लगी है। 40 से अधिक कंपनियां स्थापित हो चुकी हैं। 210 और कंपनियां स्थापित होंगी, जिसमें टमाटर से सास, मिर्च से चिली सास, मिल्क के विभिन्न उत्पाद, साफ्ट ड्रिंक, फ्राजेन सब्जी, वेजिटेबल से आयल बनाया जाएगा। सनफ्लावर आयल, पीनट आयल, सरसों का तेल या सोयाबीन आदि के तेल बनाए जाएंगे। इन कंपनियों के निर्माण के बाद किसान उत्पादों को सीधे आपूर्ति कर पाएंगे। कृषि यंत्रों का निर्माण, शहद का उत्पादन के साथ ही बाराबंकी में अब केला से बनने वाले उत्पाद ब्रेड, पैनकेक, ब्राउनी, गाजर का केक, ओटमील, फ्रेंच टोस्ट, केले की आइसक्रीम और केले से चिप्स बनाने की चार फैक्ट्रियां कुर्सी रोड पर स्थापित हो रही हैं। फूड प्रोसेसिंग की यूनिट सूतमिल, सोमैया नगर, चंदौली, सफेदाबाद, खुजरी गांव, मोहम्मदपुर, उरगदिया, दारापुर, असैनी के निकट, रामसनेहीघाट औद्योगिक क्षेत्र और हैदरगढ़ के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलो मीटर-35 के पास बनने वाले औद्योगिक कारिडोर में निवेश के लिए चार हजार करोड़ के निवेश पोर्टल पर आवेदन प्राप्त हो चुका है।

लक्ष्य हासिल करने वाले विभाग

विभाग का नाम	इकाइयों की संख्या	निवेश (रुपये करोड़ में)
कृषि	01	02
कोआपरेटिव	03	18.5
अतिरिक्त रिसोर्स विभाग	04	221.8
आबकारी	01	100
एमएसएमइ	19	331.31
उद्यान	17	417.4
हाउसिंग	08	4156
आइआइडीए	01	550
आइटी एंड इलेक्ट्रिक	01	106
टूरिज्म	08	488.45
परिवहन	03	30
यूपीएसआइडीए	84	1924
कुल निवेश आवेदन	151	8410

संचालित इकाइयां

सीपी मिल्क प्रोडक्ट मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट, सुंदरी फूड्स- मल्टीग्रेन आटा, मैंथा आयल क्रिस्टल निर्माण, बेकरी प्रोडक्ट, साफ्ट ड्रिंक, अन्नपूर्णा, फ्राजेन सब्जी, मिल्क उत्पाद, श्याम फूड्स, जनता फूड्स, मछली व मुर्गी फीड, लाहौरी जीरा साफ्ट ड्रिंक, पास्ता, राइस ब्रान आयल, गणपति एग्री बिजनेस आयल, बाक्स पार्क फूड, पानी प्लांट स्थापित हो चुके हैं।

❝ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 की शुरुआत होने जा रही है। विभाग वार जिलाधिकारी की ओर से लक्ष्य आवंटित किया गया था, जिसके सापेक्ष 8410 करोड़ के निवेश के लिए आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदनों की जांच की जा रही है।

–अन्ना सुधन, मुख्य विकास अधिकारी, बाराबंकी।

अब बाराबंकी में बनेगी मेडिकल डिवाइस

बाराबंकी में पहली बार मेडिकल डिवाइस बनाई जाएंगी। इसमें पैथोलाजी से संबंधित मशीनों का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त सोलर पार्क, मटर प्रोसेसिंग यूनिट, आयुष की दवाएं, पास्ता, मैक्रोनी, टेक्निकल एसोसिएट, फूड कोर्ट एंड इंटरटेनमेंट एरिया बनाया जाएगा। ऐसी 151 कंपनियों का निवेश होगा।

181 इकाइयां उत्पादन में

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत जिले में निवेश सारथी पोर्टल पर 314 निवेशकों ने एमओयू हस्ताक्षरित किए थे, जिसमें 21 हजार 854 करोड़ से फैक्ट्रियां लगेंगी। 181 निवेशकों ने इकाई स्थापना कर ली है। 17 हजार 571 लोगों को रोजगार मिलने लगा है। यहां हाई टेक्नोलाजी के ट्रांसफार्मर, वेजिटेबल से आयल, मिल्क से कई प्रकार के उत्पादन तैयार होने लगे हैं। इसके अलावा इंटीग्रेटेड टाउनशिप, हाउसिंग और ईको टूरिज्म से लोगों को घूमने का एक अच्छा साधन मिला है।

जिले में हैं छह औद्योगिक आस्थान: बाराबंकी सदर देवा रोड़ औद्योगिक क्षेत्र सोमैया नगर सबसे पुराना है। यहां रिलायंस समेत बड़ी इकाइयां स्थापित हैं। यूपीसीडा ने कुर्सी रोड़ औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी इकाइयों के साथ एग्रो पार्क की स्थापना की। यहां खाद्य एवं प्रसंस्करण की इकाइयां चल रही हैं। यहीं पर जिला उद्योग केंद्र का पुराना मिनी इंडस्ट्रियल स्टेट है।

चंदौली और सूतमिल इंडस्ट्रियल एरिया के अलावा सफेदाबाद में इकाइयां चल रही हैं। लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर यूपीसीडा का नवीन औद्योगिक क्षेत्र लगभग विकसित कर लिया गया है। साथ ही, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बंभरौली गांव हैदरगढ़ में यूपीसीडा ने 231 एकड़ जमीन अधिगृहीत कर लिया है। सभी औद्योगिक क्षेत्र की लोकेशन और कनेक्टविटी बेहतर होने से कंपनियां आगे बढ़कर अपनी इकाइयां लगाने को तैयार हैं। औद्योगिक आस्थानों में देश की नामचीन कंपनियों में लखनऊ, गुजरात, असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, आंध्रा और महाराष्ट्र से आकर यहां इकाई स्थापित करने की तैयारी में हैं। संभावना है कि करीब 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

MAGZTER